

कक्षा : 9

हिन्दी

पाठ: 5

स्वराज्य की नींव

स्वाध्याय



स्वाध्याय

प्रश्न 1. एक – दो वाक्यों में उत्तर दीजिए :

(1) रानी लक्ष्मीबाई की चिंता का क्या कारण था ।

➤ **रानी लक्ष्मीबाई की चिंता का यह कारण था कि बहुत प्रयत्न करने के बाद भी स्वराज्य उनके हाथ में नहीं आ रहा था।**

(2) बाबा गंगादास ने रानी लक्ष्मीबाई से क्या कहा था?

- बाबा गंगादास ने रानी लक्ष्मीबाई से कहा था कि समाज में छूआछूत, ऊँच-नीच और विलास प्रियता के होते हुए हमें स्वराज्य नहीं मिल सकता। स्वराज्य केवल सेवा, तपस्या और बलिदान से ही मिल सकता है।

(3) रानी लक्ष्मीबाई ने क्या प्रतिज्ञा की थी?

- रानी लक्ष्मीबाई ने झाँसी को फिर से जीत लेने की प्रतिज्ञा की थी।

(4) जूही सेनापति तात्या का पक्ष क्यों लेती है?

➤ जूही सेनापति तात्या का पक्ष लेती है, क्योंकि वह उससे प्रेम करती है।

(5) तात्या रानी लक्ष्मीबाई के सामने लज्जित क्यों हो उठे?

➤ रानी लक्ष्मीबाई ने तात्या को 'सरदार' कहकर संबोधित किया।
रानी के मुँह से अपने लिए यह संबोधन मनकर तात्या लज्जित हो उठे।

प्रश्न 2 पाँच-छः वाक्यों में उत्तर दीजिए :

(1) मार्ग में हिमालय अड़ने, डरावनी लहरों के थपेड़े मारने, नाविकों के सो जाने से क्या अभिप्राय है?

➤ रानी लक्ष्मीबाई को अपनी प्यारी झाँसी शत्रुओं के हाथ में चले जाने का दुःख है। स्वराज्य की मंजिल हर बार पास आकर दूर चली जाती है। रानी स्वराज्य को पास आते हुए देखती हैं, पर तभी हिमालय जैसी बाधाएँ उनके मार्ग में आ जाती हैं। जब वे इन बाधाओं को पार करती हैं, तो मुसीबतों के महासागर सामने

उमड जाते हैं। जब वे उन्हें पार करना चाहती हैं, तो देखती हैं कि नाविक सो रहे हैं। ये नाविक हैं विलास में डूबे हुए उनके साथी सेनापति तात्या, राव साहब, बाँदा के नवाब आदि।

(2) रानी लक्ष्मीबाई देशभक्ति की एक अद्भुत मिसाल थीं। समझाइए।

➤ **रानी लक्ष्मीबाई हमारे इतिहास का एक अत्यंत तेजस्वी चरित्र हैं। स्वराज्य ही उनका अंतिम लक्ष्य है। इसके लिए वे बड़े से बड़ा बलिदान दे सकती हैं। स्वराज्य की नींव बनने में ही वे जीवन की सार्थकता मानती है। उन्हें राग-रंग से सख्त नफरत है। उन्हें यही चिंता है कि स्वराज्य के लिए लड़ रहे उनके सैनिकों की वीरता कलंकित न होने पाए। सचमुच, रानी लक्ष्मीबाई देशभक्ति की एक अद्भुत मिसाल थीं।**

(3) 'स्वराज्य की नींव' शीर्षक कहाँ तक सार्थक है? प्रस्तुत एकांकी के लिए कोई अन्य शीर्षक दीजिए।

➤ सन् 1857 का सैनिक विद्रोह भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम माना जाता है। उसमें झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई, जूही, मुंदर, तात्या टोपे, रामचन्द्र तथा रघुनाथराव आदि ने अपनी अनोखी देशभक्ति का परिचय दिया था। ये सब अपना बलिदान देकर स्वराज्य की नींव के पत्थर बन गए। बाद में इस एकांकी के पात्रों के न्याय, तपस्या और बलिदान की नींव पर ही भारत

की आजादी की इमारत खड़ी हुई। इसलिए इस एकांकी का शीर्षक 'स्वराज्य की नींव' बिल्कुल सार्थक है। इसके अन्य शीर्षक ये हो सकते हैं – 'स्वराज्य की आधारशिला' और 'आजादी के परवाने'।

(4) प्रस्तुत एकांकी में से उन कथनों को छाँटिए जिससे पता चलता है कि युद्ध की छाया में भी राव साहब वैभव-विलास में डूबे हुए थे।

1. जूही – जानती हूँ महारानी ! हम विलासिता में डूब गए हैं।

2. मुंदर - विलासिता में डूबे हैं राव साहब, बाँदा के नवाब, सेनापति तात्या।

3. लक्ष्मीबाई - जूही ने उन्हें रोका है मुंदर। मैं जानती हूँ। जब गत साहब के लिए बुलाने इसे आए थे तो इसने उनको बुरी तरह दुत्कार दिया था।

प्रश्न 3. आशय स्पष्ट कीजिए:

(1) "स्वराज्य-प्राप्ति से बढ़कर स्वराज्य की स्थापना के लिए भूमि तैयार करना, स्वराज्य की नींव का पत्थर बनना"।

➤ इमारत बनाने के पहले उसके लिए उचित भूमि का चयन किया जाता है। फिर मजबूत नींव रखी जाती है। नींव जितनी मजबूत होगी, इमारत भी उतनी ही मजबूत होगी। इसी तरह स्वराज्य पाने के लिए देश और समाज में उसके लिए वातावरण तैयार करना जरूरी है। यह वातावरण जनमानस को जगाकर ही तैयार

किया जा सकता है। शहीदों के बलिदान जनमानस को
आंदोलित करते हैं और लोगों में स्वराज्य पाने की भावना
तीव्र बनती है।

(2) "शंकाएँ अविश्वास पैदा करेंगी और उस अविश्वास से उत्पन्न निराशा को दूर करने के लिए पायल की झंकार और भी झनक उठेगी।"

- राव साहब, बाँदा के नवाब आदि रानी के सहयोगी संकुचित दृष्टि के व्यक्ति थे। वे अपने-अपने स्वार्थ के लिए रानी लक्ष्मीबाई से जुड़े थे। उनमें न देशप्रेम था और न एक-दूसरे के प्रति विश्वास था। वे एक-दूसरे को शंका की दृष्टि से देखते थे। ऐसे में स्वराज्य-स्थापना की बात उनमें परस्पर अविश्वास बढ़ा सकती

थी। अविश्वास उनमें निराशा पैदा करता और फिर
उससे उत्पन्न दुःख दूर करने के लिए वे राग-रंग में
डूब जाते।

(3) "दोस्त की ठोकर अविश्वास की खाई को और भी चौड़ा कर देती है।"

➤ दोस्ती में एक-दूसरे पर विश्वास होता है। ऐसे में कोई धोखा दे तो दिल को गहरी चोट लगती है। गहरा विश्वास गहरे अविश्वास में बदल जाता है और फिर पहले जैसी दोस्ती नहीं रह सकती।

प्रश्न 4. कोष्ठक से सही शब्द चुनकर वाक्य पूर्ण कीजिए :

(1) वह मिल सकता है, केवल सेवा, तपस्या और बलिदान से।

(बलिदान / युद्ध)

(2) महासागर की डरावनी लहरें थपेड़े मारने लगती हैं।

(लहरें / हवाएँ)

(3) कौन कहता है कि हम विलासिता में डूब गए हैं?

(विलासिता / तपस्या)

(4) मैं स्वराज्य के लिए नाच सकती हूँ।

(विजय / स्वराज्य)

(5) हमारी वीरता कलंकित न होने पाए।

(श्रेष्ठता / वीरता)

प्रश्न 5. शब्दसमूह के लिए एक शब्द बनाए :

- | | |
|--|--------------|
| (1) धरती और आकाश के मिलने का स्थान | = क्षितिज |
| (2) निराशा या क्रोध में मुँह से निकलनेवाली श्वास | = निश्वास |
| (3) दही से बननेवाला एक व्यंजन | = श्रीखंड |
| (4) ब्राह्मणों को खिलाया जानेवाला भोज | = ब्रह्मभोज |
| (5) स्वामी के प्रति श्रद्धा रखनेवाला | = स्वामिभक्त |

प्रश्न 6 उदाहरण के अनुसार शब्द बनाए :

राज्य - स्व + राज्य = स्वराज्य

देश, भाव, तंत्र, जन

(1) देश - स्व + देश = स्वदेश

(2) भाव - स्व + भाव = स्वभाव

(3) तंत्र - स्व + तंत्र = स्वतंत्र

(4) जन - स्व + जन = स्वजन

प्रश्न 7. उदाहरण के अनुसार शब्द बनाए :

सुन्दर - सुन्दरता - सौंदर्य

(1) शूर - शूरता - शौर्य

(2) धीर - धीरता - धैर्य

(3) उदार - उदारता - औदार्य

(4) स्थिर - स्थिरता - स्थैर्य

Thanks



For watching